भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो रहे छात्र

■ मुंबई, (सं.) एनएमआईएमएस के उप कुलपति डॉ. रमेश भट ने विश्वविद्यालय के 23वें स्थापना दिवस पर कहा कि शिक्षा के माध्यम से छात्रों का सर्वांगीण विकास करना संस्थान का मूल उद्देश्य रहा. विले पार्ले (पश्चिम) स्थित एनएमआईएमएस के मुकेश पटेल सभागार में आयोजित समारोह में उन्होंने कहा कि एनएमआई एमएस के सफर की शुरुआत वर्ष 1934 में श्री विले पार्ले केलवानी मंडल एसवीकेएम की स्थापना के साथ हुई. इसी बुनियाद पर आगे चलकर उस संस्थान का निर्माण हुआ, जिसे आज पूरी दुनिया में सम्मान के साथ देखा जाता है. आज हमें अपने संस्थान के विभिन्न परिसरों में हुई प्रगति, अनुसंधान और नवाचार में अपनी उपलब्धियों व भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करने के अपने संकल्प पर गर्व है.

अब शिक्षा व स्टार्टअप पर ध्यान

एसवीकेएम के सचिव डॉ. जयंत पी. गांधी ने छात्रों पर विवि के बदलाव लाने वाले प्रभाव और नवाचार पर विशेष ध्यान के बारे में कहा कि एनएमआईएमएस में हम छात्रों को कुशल नेतृत्व और संवाद कला में माहिर बनाकर भविष्य की चुनौतियों के लिए भी तैयार करते हैं. अब हमारा ध्यान नवाचार, अनुसंधान, अनुभवात्मक शिक्षण और स्टार्टअप पर होना चाहिए, ताकि हमारे छात्र आत्मविश्वास से भरे नेतृत्वकर्ता बनकर भविष्य को आकार देने के लिए तैयार हों. इस अवसर पर अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष, प्रो. टी. जी. सीताराम ने कहा कि आज शिक्षा का स्वरूप बदल गया है. छात्र अपने बेडरूम या किचन से भी अपनी पसंद के कोर्स कर सकते हैं.

Publication: Navbharat

Edition: Mumbai